मैथिली

शास्त्री द्वितीय वर्ष

तृतीय पत्र

पाठ्यक्रम फलितांश –

(1) अनमिल आखर - ब्रज किशोर वर्मा मणिपद्म (एकांकी)

एकांकी'क माध्यमसँ छात्र मे कलाक भावना उजागर होयत।

(2) लगक-दूरी:सुधांशु शेखर' चौधरी (नाटक)

नाटक मंचन द्वारा शिक्षाक भावना उजागर एहि नाटक क प्रमुख तत्व अछि।

(3) मिथिला दर्पण- पं0 पूण्यानन्द झा (उपन्यास) शिक्षा आवश्यक तत्व अछि,

एहि उपन्यासक माध्यमसँ कहल गेल अछि |

(4) खोता आ चि. - मायानन्द मिश्र (उपन्यास)

तत्कालिन समाजिक परिपेक्ष्य में विकासक योजना एहि उपन्यास द्वारा देलगेल अछि। ..

(5) अलंकार भाष्कर- डा0-रमण झा

मैथिली अलंकार सहज रूपसँ सिखबाक लेल उपयोगी अछि।